

प.१.२।

आज यह पत्रिका कबीर प्राणी द्वारा

विहीन प्रणिता पर विषा करने पर कफिराद  
 से तल्ल की गई। प्रणिता पर केशुना  
 सेय कबीर कापानी द्वारा की है इतराजनी  
 दीना कतापा गपा। उतरा। कबीर प्राणी  
 प्रणिता पर स्वीकार किया जाकर उक्त  
 पत्रिका विहीन किया जाकर पत्रिका निस्तारण  
 की गई। ~~कबीर~~ पत्रिका के अन्त में कबीर  
 की जाकर डॉ. मिथिलेश्वर की गई।

1st  
2nd



५